

अधिकारी/उपखण्ड

29⁵/₂₃

पत्रावली पेश हयी विकुसाय उपखण्ड/पादरी
 का बाद डिठि मिया जा. ठुमही शकति
 यह पत्रावली भी इसी स्वर पर शीप भी
 जाती है पत्रावली जेकर थुमार होकर
 जम्मा से कम कि जाकर थुमार बाद के
 साध संलग्न रहे।

अधिकारी/उपखण्ड
 जेकर (उपखण्ड) अधिकारी

उपखण्ड अधिकारी
 (उपखण्ड) राज